

संपादक की कलम से

**भविष्य के लिए सुपर
फ्यूल साबित हो सकता
है हाइड्रोजन फ्यूल !**

भारत में अब हाइड्रोजन इंधन का प्रयोग होने लगा है। हाल ही में लेह में देश की पहली हाइड्रोजन बस का ट्रायल रन शुरू किया गया है, यह बहुत ही काविले तारीफ इसलिए है कि काब्न-टस्थ समाज बनाने में बैटरी विद्युतीकरण और नवीकरणीय इंधन के साथ हाइड्रोजन इंधन एक प्रमुख भूमिका निभा सकता है। यहाँ उल्लेखनीय है कि कुछ समय पहले केंद्रीय सङ्कर परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी हाइड्रोजन फ्यूल से चलने वाली इलेक्ट्रिक व्हीकल से संसद पहुंचे थे और उस समय हाइड्रोजन वाली इस कार ने खूब सुर्खियां बटोरी थीं। अब तो ट्रेनों को भी इससे संचालित करने के संबंध में लगातार चर्चा की जा रही है। भविष्य में हाइड्रोजन से ट्रेनें चलने लगें तो इसमें कोई आश्वर्य नहीं होगा क्योंकि हाइड्रोजन सुपर फ्यूल या भविष्य का फ्यूल साधित हो सकता है। दरअसल, हाइड्रोजन एक ऊर्जा वाहक है जिसमें ऐसे गुण विद्यमान हैं जो ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन के सुदृढ़ योग को कम करने में मदद कर सकते हैं।

है। हाइड्रोजन-एक रंगाहीन, गंधारीन गैस है, तथा प्रदूषण मुक्त है। पाठकों को जानकारी देना चाहूंगा कि हाइड्रोजन क्लीन एनर्जी के अंतर्गत आता है। ये एक ऐसा तत्व है जो वायुमंडल में किसी न किसी से जुड़ा हुआ प्राप्त होता है। ये शुद्ध रूप से वायुमंडल में उपलब्ध नहीं हो पाता है। इसमें बहुत ऊर्जा पाई जाती है। धरती पर ये जटिल अणुओं जैसे पानी या हाइड्रोकार्बन के तौर पर पाया जाता है। ये ऊर्जा का स्रोत नहीं बल्कि वाहक है यानी इस्तेमाल के लिए इसका उत्पादन किया जा सकता है, इसे यानी इस्तेमाल के लिए किया जा सकता है। हाइड्रोजन के जलने पर पानी ही बनता है। हाइड्रोजन को प्राप्त करने के लिए जल में इलेक्ट्रोलिसिस की क्रिया अपनाई जाती है। पाठकों को यहां यह भी जानकारी देना चाहूंगा कि हाइड्रोजन से सबसे बड़ा लाभ यह है कि इसका स्थानीय संसाधनों से स्थानीय स्तर पर ही उत्पादन किया जा सकता है और इस प्रकार से यह दुनिया के लिये 'भविष्य का ईंधन' साबित हो सकता है। उल्लेखनीय है कि हाइड्रोजन ईंधन, ऑक्सीजन के साथ जलने पर 'शून्य-उत्सर्जन' (जीरो एमिशन) करता है। हाइड्रोजन ईंधन के उपयोग से उत्सर्जित होने वाला एकमात्र उप-उत्पाद 'पानी' होता है। इसीलिए ये ईंधन 100 प्रतिशत स्वच्छ माना जाता है। इसका उपयोग ईंधन सेलों अथवा अंतरिक दहन इंजनों में किया जा सकता है।

यह पेट्रोलियम की तुलना में बहुत कम प्रदूषणकारी है। साथ ही यह एक गैर-नवीकरणीय स्रोत है और इसे लंबे समय तक प्राप्त या निर्मित किया जा सकता है। इतना ही नहीं, ये सस्ता और हल्का भी होता है। यदि एक्सपर्ट्स की मानें तो 1 किलो हाइड्रोजन करीब 4.5 लीटर डीजल के बराबर होता है। ऐसे में पेट्रोल और डीजल की बढ़ती कीमतों के बीच इसे एक बेहतरीन विकल्प माना जा रहा है। जानकारी देना चाहूंगा कि भारत में वर्ष 2005 में एक राष्ट्रीय हाईड्रोजन नीति तैयार की गई थी, जिसका उद्देश्य हाईड्रोजेन ऊर्जा के उत्पादन, भंडारण, परिवहन, सुरक्षा, वितरण एवं अनुप्रयोगों से संबंधित विकास के नये आयाम उपलब्ध कराना है। केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख की राजधानी लेह में हाइड्रोजेन से चलने वाली बस का पहुंचाना वास्तव में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के काबिन न्यूट्रल लद्दाख बनाने की घोषणा के संदर्भ में एक शानदार व नायाब पहल कही जा सकती है।

गई हैं। पहले उन्नें महासचिव की हैसियत से सीडब्ल्यूसी में जगह दी गई थी। चुनावी रणनीति को लेकर तमाम तरह के फैसले लेने वाली कांग्रेस वर्किंग कमेटी (सीडब्ल्यूसी) में हर तरह के समीकरणों को साधने की कोशिश की गई है। जहां पार्टी से नाराज चल रहे नेताओं को कमेटी में शामिल किया गया है, वर्धी गांधी परिवार के करीबियों का भी खास ख्याल रखा गया है। वर्किंग कमेटी में युवा नेताओं की हिस्सेदारी से लेकर जातीय समीकरण को भी साफ तौर पर

देखा जा सकता है। कांग्रेस की वर्किंग कमेटी हैं, उनमें पार्टी के वरिष्ठ नेता और जमीनी तौर नेताओं को साधा गया है और तमाम कॉर्पबोर्नेशन 2024 के चुनावी रण कर रही है। इसे कांग्रेस तौर पर देखा जा रहा

अरविंद राजतिलक
पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के फैसलाबाद के जरनवाला जिले में ईशनिंदा के आरोप में चर्चों में की गई तोडफोड से पुनः ध्वनित हुआ है कि पाकिस्तान में अल्पसंख्यक समुदाय सुरक्षित नहीं है। उल्लेखनीय है कि एक ईसाई सफाईकर्मी पर ईशनिंदा का आरोप लगाकर कट्टरपंथी तत्वों ने साल्वेशन आर्मी चर्च, यूनाइटेड प्रेस्विटेरियन चर्च, एलाइड फाउंडेशन और शहरुनवाला चर्च समेत दो दर्जन से अधिक चर्चों में तोडफोड़ की है। जबकि चर्च ऑफ पाकिस्तान के अध्यक्ष विशप आजाद मार्शल का कहना है कि कट्टरपंथी तत्वों ने बाइबिल का अपमान किया और ईसाईयों पर पवित्र कुरान के अपमान का झूठा आरोप लगाकर चर्चों को नुकसान पहुंचाया। उन्होंने पाकिस्तान सरकार से अपने लोगों की सुरक्षा और न्याय की मांग की है। हमले का आरोप चरमपंथी ग्रुप तहरीक-ए-लब्बैक पाकिस्तान पर लगा ईशनिंदा के आरोप में चर्चों बनाया गया है। गत वर्ष पहले प्रांत के क्वेटा बेथल मेमोरियल नुकसान पहुंचाते हुए वहाँ प्रायः एकत्रित ईसाई समुदाय के 9 ले हत्या की गई। कट्टरपंथियों ने अंजाम दिया जब चर्च में सामूहिक प्रार्थना के लिए ईसाई लोग इकट्ठा थे। हमले व इस्लामिक स्टेट के आतंकियों लेकिन इस कारस्तानी के तालिबानी आतंकियों का हाथ लाहौर के योहानाबाद इलाके आतंकियों ने दो चर्चों में हमलाकर 15 लोगों की ज 2013 में भी आतंकियों ने पेश सेंट चर्च को निशाना बनाया। से अधिक त्रहदालु मारे गए अधिक लोग बुरी तरह घायल समय भी हमले की कियम्बदरि

मोदी-विरोध के नाम पर देश-विरोध क्यों?



वह देश के प्रमुख विपक्षी दल के नता है। सरकार की नीतियों से नाराज होना, सरकार के कदमों पर सवाल उठाना उनके लिए जरूरी है। राजनीतिक रूप से यह उनका कर्तव्य भी है। लेकिन चीन के साथ उनकी सहानुभूति अनेक प्रश्नों को खड़ा करती है। ऐसे ही सवालों में आज तक इस सवाल का जवाब भी नहीं मिला कि आखिर राजीव गांधी फाउंडेशन को चीनी दूतावास से चंदा लेने की जरूरत क्यों पड़ी? वह यह नहीं बताते कि 2008 में अपनी बीजिंग यात्रा के दौरान सोनिया गांधी और उन्होंने कम्युनिस्ट पार्टी से समझौता क्यों किया था?

राहुल को यह भी विस्मृत नहीं करना चाहिए कि जवाहरलाल नेहरू के समय चीन ने किस तरह पहले तिक्कत को हड़पा और फिर 1962 के युद्ध में ह्वाहिन्दी चीनी भाई-भाईंड का नारा जप कर भारत माता की 45,000 वर्ग किलोमीटर भूमि चीन को दे दी। आज जब भारत चीन के अतिक्रमणकारी एवं अति महत्वाकांक्षी रवैये के खिलाफ डटकर खड़ा है और उसे उसी की भाषा में जवाब दे रहा है तब राहुल गांधी जानबूझकर प्रधानमंत्री की एक सशक्त एवं विश्व नेता की छवि पर हमला करने के लिए उतावले रहते हैं। वह अंध मोदी विरोध के चलते सारी मर्यादाओं का अतिक्रमण कर जाते हैं। वह यह बुनियादी बात समझने के लिए तैयार नहीं कि जब

रक्षा और विदेश नात के मामलों में राजनीतिक वर्ग एक सुर में नहीं बोलता तो इससे राष्ट्रीय हितों को चोट ही पहुँचती है, इससे राष्ट्र कमज़ोर होता है। चीन एवं पाकिस्तान जैसे दुश्मन राष्ट्र इसी से ऊर्जा पाकर अधिक हमलावर बनते हैं। देश की जनता मोदी एवं राहुल के बीच के फर्क को महसूस कर रही है। जनता यह गहराई से देख रही है कि राहुल किस तरह गलवान में हमारे सैनिकों की वीरता-शौर्य-बलिदान पर सवाल उठाते रहे हैं, भारत की बढ़ती साख, सुरक्षा एवं विकास की तस्वीर को बद्ध लगा रहे हैं जबकि मोदी ने न केवल अपनी सरकार के दौरान भारत में आए बदलावों की सकारात्मक तस्वीरें देश-विदेशी मंच पर पेश की, बल्कि दुनिया की समस्याओं को लेकर भी अपनी समाधानप्रकर सोच रखी। इसलिये उन्हें विश्व नेता के रूप में स्वीकार्यता मिल रही है। किन्हीं राहुल रूपी गलतबयानी की वजह से मोदी की छवि पर कोई असर नहीं पड़ा है, भारत ही नहीं, समूची दुनिया में मोदी के प्रति सम्मान एवं श्रद्धा का भाव निरन्तर प्रवर्द्धमान है। राहुल गांधी, उनके रणनीतिकारों और विदेशों में कांग्रेस के संचालकों का नरेंद्र मोदी, भाजपा और संघ परिवार के प्रति शाश्वत वैर-भाव एवं विरोध की राजनीति समझ में आती है लेकिन देश की छवि खराब करने, सरकार

को कमज़ार बता कर आर मादा जस कद्वावर नेता को खलनायक बनाने से उन्हें उज्जत नहीं मिलेगी। यह तो विरोध की हद छूटे हैं ! नासमझी एवं राजनीतिक अपरिपक्वता का शिखर है !! उजालों पर कालिख पोतने के प्रयास हैं !!!

उत्तरात है राहुल गांधी मोदी विरोध के नाम पर देश के विरोध पर उतर आए हैं। ये बहली बार नहीं है। राहुल गांधी इस तरह का आचरण इसीलिए करते हैं, क्योंकि उन्हें यासन संचालन, राजनीतिक परिपक्वता के और-तरीकों का कोई अनुभव नहीं। उनकी तरह सोनिया गांधी और प्रियंका गांधी भी कोई जिम्मेदारी लिए बिना पढ़े के पीछे से नब कुछ करने में ही यकीन रखती हैं। कांग्रेस की मजबूरी यह है कि वह गांधी परिवार के बिना चल नहीं सकती। कांग्रेस नेताओं की भी यह विवशता है कि अपने नेता के बयानों को सही एवं जायज ठहराने में सारी हाँदे लांघ जाते हैं। लेकिन, प्रश्न यह है कि क्या दुश्मन राष्ट्र से जुड़ी स्थितियों पर बोलते हुए वह मात्र भारत के विपक्षी दल के नेता होते हैं? क्या उन्हें यह नहीं सोचना चाहिए कि वह भारत का भी प्रतिनिधित्व कर रहे हैं? यह समस्या मात्र राहुल गांधी की नहीं है। पूरा विपक्ष यह नहीं समझ पा रहा है कि सत्ताधारी दल के विरोध और देश के विरोध के बीच फर्क है। सत्ताधारी दल का विरोध करना स्वाभाविक है,

गांधीजीने उस लकार का नहीं पार करना चाहिए, जिससे वह देश का विरोध बन जाए। ऐसे बयानों से किस पर और कैसे भाव पड़ता है। सरकार और राष्ट्र के विरोध के बीच अंतर समझना भी बावश्यक है।

ललेखनीय बात यह है कि निन्दक एवं मालोचक कांग्रेस को सब कुछ गलत ही ललत दिखाई दे रहा है। मोदी एवं भाजपा में नहीं आहट भी हो जाती है तो कांग्रेस में उक्कमप-सा आ जाता है। मजे की बात तो ह है कि इन कांग्रेसी नेताओं को मोदी राजकार की एक भी विशेषता दिखाई नहीं ती, कितने ही कीर्तिमान स्थापित हुए हों, कितने ही आयाम उद्घाटित हुए हों, कितना ही देश को दुश्मनों से बचाया हो, कितनी ही लोगों एवं भारत भूमि की रक्षा की हो, कितना ही आतंकवाद पर नियंत्रण बनाया जा, देश के तरक्की की नई इबारतें लिखी यी हो, समूची दुनिया भारत की प्रशंसा कर जाए ही हो, लेकिन इन कांग्रेसी नेताओं को सब काला ही काला दिखाई दे रहा है। कमियों ने देखने के लिये सहायता बनने वाले हुल अच्छाई को देखने के लिये एकाक्ष भी नहीं बन सके? बने भी तो कैसे? शरीर कितना ही सुन्दर क्यों न हो, मक्कियों को धाव ही अच्छा लगेगा। इसी प्रकार राहुल एवं कांग्रेस को तो अच्छाइयों में भी बुराई ग ही दर्शन होगा।

ਖਰਾਗੇ ਕੀ ਨਵੀਂ ਟੀਮ ਦੀ ਸੰਭਾਵਨਾ ਕਾਂਗ੍ਰੇਸ ਕੋ ਆਗਾਮੀ ਚੁਨਾਵਾਂ ਮੈਂ ਕਿਤਨਾ ਫਾਯਦਾ ਹੋਗਾ ?



खा जा सकता है

कांग्रेस का वाकंग कमटा म जा बदलाव हुए
अंत में, उनमें पार्टी के वरिष्ठ नेता, पार्टी के युवा
नेता और जमीनी तौर पर काम करने वाले
उन आंदोलनों को साधा गया है। पार्टी अपनी इस नई
भौमिका पर तमाम कॉम्बिनेशन वाली टीम के साथ
2024 के चुनावी रण में उत्तरने की तैयारी
कर रही है। इसे कांग्रेस की नई शुरूआत के
तौर पर देखा जा रहा है जिसमें कांग्रेस

अध्यक्ष मलिलकाजुन खरगे का अहम राल है। कांग्रेस ने इसी साल छत्तीसगढ़ के रायपुर में अपना 85वां राष्ट्रीय अधिवेशन बुलाया था, जिसमें पार्टी की स्टीयरिंग कमेटी के तामाम नेता पहुंचे थे। 24 से 26 फरवरी तक होने वाले इस अधिवेशन में तामाम विषयों पर चर्चा हुई। अधिवेशन के बाद बताया गया कि पार्टी में हर जाति और वर्ग के नेताओं को

जिम्मदारा दा जाएगा। जसका तस्वीर अब कांग्रेस वर्किंग कमेटी में नजर आई है। इससे पहले पिछले साल उदयपुर में हुए चिंतन शिविर में भी यही बात कही गई थी। कांग्रेस वर्किंग कमेटी में मल्लिकार्जुन खरगेत के खिलाफ चुनाव लड़ने वाले शशि थरूर को जगह देकर ये मैसेज दिया गया कि पार्टी में लोकतंत्र जिंदा है, साथ ही किसी भी बड़े नेता को नाराजगी दिखाने का मौका नहीं दिया जाएगा। अब जातीय समीकरण की बात करें तो यह छः ओबीसी, नौ एससी और महेंद्रजीत मालवीय जैसे अदिवासी चेहरे को नई टीम में जगह दी गई है। पार्टी ने उदयपुर में हुए चिंतन शिविर में दिए गए सुझावों पर मुहर लगाई, जिसमें कहा गया था कि कमेटी में 50 फोसदी नेता 50 साल की उम्र से कम और एससी, एसटी, ओबीसी और अल्पसंख्यक होंगे। कांग्रेस की इस नई टीम में 39 परमानेंट मेंबर, 32 परमानेंट इनवाइटी और 13 स्पेशल इनवाइटी शामिल हैं। कुल 84 नेताओं को मिलाकर कांग्रेस ने अपनी ये नई टीम तैयार की है।

देश और काल की कसौटी पर- नए आपराधिक कानून

वारद्र सह पारहा
देष के गदमंडी

दश क गृहमत्रा आमत शाह न 11 अगस्त को की संसद में आपराधिक कानून में आमूल चूल परिवर्तन की दृष्टि से नए प्रस्ताव प्रस्तुत किए। उपरोक्त संबंध में गृह मंत्री द्वारा जो 3 विधेयक प्रस्तुत किए गए, वे भारतीय दंड संहिता-1860, आपराधिक प्रक्रिया अधिनियम-1898, एवं भारतीय साक्ष्य अधिनियम -1872 की जगह लेंगे। उल्लेखनीय है कि ये सब अंग्रेजों के बने हुए कानून थे जो लंबे समय से देश की स्वतंत्रता के बाद भी प्रचलित थे लेकिन जिस तरह से एक क्रांतिकारी ढंग से इन कानूनों में बदलाव करने का कार्य किया जा रहा है, वह देश के विधिक इतिहास में बहुत बड़ा क्रांतिकारी परिवर्तन कहा जा सकता है। वस्तुतः देश के सभी उपयुक्त आपराधिक न्याय कानून में हर मैजेस्टी, और बाइ दा प्रिवी कांडसिल आफ इंलैंड, द क्राउन रिप्रेजेटेटिव जैसे शब्द जो गुलामी लाकर अब नए प्रस्तावत आपराधिक न्याय कानूनों के तहत भारतीय दंड संहिता का नाम भारतीय न्याय संहिता 2023 होगा। इसी तरह से दंड प्रक्रिया संहिता का नाम भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 होगा। इंडियन इविडेंसएक्ट का नाम भारतीय साक्ष्य अधिनियम 2023 होगा। भारतीय दंड संहिता में जो महत्वपूर्ण संशोधन किए गए हैं, उसमें पहचान छुपा कर शादी करने या संबंध बनाने को लेकर, जो पहले नहीं था, वह अब अपराध की श्रेणी में आएगा। ओवैसी जैसे लोग इसे भले मुस्लिम विरोधी बताएं लेकिन यह तो धोखाधड़ी और छल के खिलाफ कानून होगा जो प्रत्येक व्यक्ति पर लागू होगा। इसी तरह से रोजगार और पदोन्नति में भी धोखाधड़ी किए जाने पर दंड का प्रावधान लागू किया जाएगा। देशद्रोह कानून को बिल्कुल नए ढंग से परिभाषित कर दिया गया करन पर राजद्रोह का कानून नहा लगेगा व्योकि जैसा गृह मंत्री अमित शाह ने कहा- देश में लोकतंत्र है और प्रत्येक व्यक्ति को सरकार के विरोध में बोलने का अधिकार है लेकिन देश की एकता और अखंडता के विरुद्ध काम करने पर राजद्रोह का कानून लागू होगा और होना भी चाहिए। वर्तमान कानूनों में जो महत्वपूर्ण बदलाव किया गया है, उसमें भगोडों व्यक्तियों के खिलाफ भी ट्रायल की कार्रवाई हो सकेगी और उनकी अनुपस्थिति में उन्हें सिद्ध दोष घोषित किया जा सकेगा। निश्चित रूप से इससे भगोडों की प्रवृत्ति पर विराम लगेगा व्योकि उन्हें ऐसा लगेगा यदि वह भागे तो वह अपने प्रकरण की पैरवी नहीं कर पाएगी जिससे सिद्ध दोष होने की संभावनाएं बढ़ जाएंगी। इसी तरह भगोडों को दोषी करार देने से उनका दर्जा आरोपी के बजाय अपराधी का हो जाएगा।

پاکستان میں نیشنل پارٹی

پاکستان میں نیشنلے پر چھ

जल्पसंख्यक तुम्हेंन पा नुसारा न यह रहे हैं। पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों पर हो रहे अत्याचार के लिए नफरती मजहबी शिक्षा भी एक प्रमुख वजह है। गत वर्ष पहले अंग्रेजीटीय धार्मिक स्वतंत्रता पर प्रकाशित अमेरिकी आयोग की एक रिपोर्ट से उद्घाटित हुआ था कि पाकिस्तानी स्कूलों की किताबें अल्पसंख्यकों के खिलाफ नफरत और असहिष्णुता को बढ़ावा देती हैं। मजहबी शिक्षक धार्मिक अल्पसंख्यकों को इस्लाम के शत्रु की तरह पेश करते हैं। उन्हें कफिर बता मुस्लिम बच्चों के मन में जहर घोलते हैं। रिपोर्ट में यह भी उद्घाटित हुआ था कि पाकिस्तान में सामाजिक अध्ययन की पाठ्य पुस्तकें भारत और ब्रिटेन के संबंध में नकारात्मक टिप्पणी से अटी पड़ी हैं। रिपोर्ट में कहा गया था कि पाठ्य पुस्तकों का इस्लामीकरण की शुरूआत अमेरिका समर्थित तानाशाह जिया-उल-हक के सैन्यकाल में हुई। बाद की सरकारें

जापान
आतंकियों
आ गए हैं
पाकिस्तान वे
की हत्या सिंह
उन्होंने अब
बुलंद की थीं
समृदय के न
मिल और
बदलाव ला
लेकिन क
नहीं आयी
छोड़े। कट्टर
वाले पंजाब
भी कट्टरपथि
आतंकियों ने
दी। इस हत्या
और पाकिस्तान
कहाना पड़ा
निपटेगा। लो

300 वर्ष दहारानीमात्रा परा सरखेण दरहा है। नतीजा यह है कि आज कठुरपथियों का हौसला बुलंद है और वे उदारवादी सोच रखने वाले लोगों को निशाना बना रहे हैं। अल्पसंख्यक समुदय से ताल्लुकात रखने वाली आसिया बीबी को भी कठुरपथियों ने मार डाला था। भला ऐसे हालात में कोई अल्पसंख्यक समुदय पाकिस्तान में कैसे सुरक्षित रह सकता है। यहां यह भी ध्यान रखना होगा कि पाकिस्तान में सिर्फ हिंदू या ईसाई ही असुरक्षित नहीं हैं। बल्कि शिया समुदय भी असुरक्षित है। तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के आतंकी लगातार शिया मस्जिदों में हमलाकर लोगों की जान ले रहे हैं। याद होगा गत वर्ष पहले इन आतंकियों ने सिंध प्रांत में शिया मस्जिद में हमलाकर पांच दर्जन से अधिक लोगों को मौत की नींद सुला दिया। सच तो यह है कि पाकिस्तान में शिया समुदय भी उतना ही असुरक्षित और भयग्रस्त है जितना कि अन्य

चित्रकृत - उन्नाव संदेश

विधवा भाभी से दुष्कर्म में देवर को हुई दस साल की सजा

जिला जज विष्णु कुमार शर्मा ने सुनाया फैसला

अखंड भारत संदेश
चित्रकृत। भाई की मृत्यु के बाद विधवा भाभी से दुष्कर्म मामले में आरोपी देवर को जिला जज विष्णु कुमार शर्मा ने दस वर्ष की सजा सुनाई है। 11 हजार रुपये के जुमानी से भी दंडित किया गया है।

सोमवार को जिला शासकीय अधिकारकों और जारी राजीनामे के बाद देवर घर में अकेले समझकर शराब के नशे में

मिश्रा ने बताया कि दुष्कर्म मामले में पीड़िता ने 18 अक्टूबर 2022 को भरतकृप थारों में रिपोर्ट लिखाई थी। पीड़िता के अनुसार उसका विवाह आठ साल पहले हुआ था। शादी के बाद एक पुत्र हुआ था। मार्च 2021 में सङ्कट हादसे में पति की मृत्यु के छह माह बाद देवर घर में अकेले समझकर शराब के नशे में

आया। जबरन दुष्कर्म किया। शिकायत पर सास-सूभे ने घर की बात का हवाला देकर बात के बाबा दिया। उसने कीर्ति शिकायत नहीं की। दूसरे दिन उसने फिर उसके साथ दुष्कर्म किया।

उसने परिजनों समेत परोसियों को जानकारी देने के साथ इलाका पुलिस दिवायपुर जाकर सूचना दी। उसे अकेले पाकर जबरन

कोई सुनवाई न होने पर घर आने पर देवर ने उसे घर से किनाले दिया। वह अपने चिचिठा समुदाय के घर चली गई। फोन से पैरे मामले की जानकारी अपनी मां की दी। वांछा ने यायालय में 156(3) के तहत आवेदन किया। यायालय ने मामला दर्जकर विवेचना के आदेश दिया। पुलिस ने मामले की रिपोर्ट दर्ज कर पीड़िता आयोग पर दस वर्ष की सजा के साथ 11 हजार रुपये जुमानी से दंडित किया।

दुष्कर्म किया। शिकायत पर जान से मामले की धमकी दी। भरतकृप थारों में सूचना देने पर भी कोई सुनवाई हुई। उसने यायालय में 156(3) के तहत आवेदन किया। यायालय ने मामला दर्जकर विवेचना के आदेश दिया। पुलिस ने मामले की रिपोर्ट दर्ज कर पीड़िता को जान के नाम पर आया। उसे अकेले पाकर जबरन

न्यायालय में आरोप पत्र दाखिल किया। बचाव और अभियोजन पक्ष के अधिकारों की दलीलें सुनने के बाद सत्र न्यायालय विष्णु कुमार शर्मा ने सोमवार को निर्णय सुनाया। दोष सिद्ध होने पर आरोपी को दस वर्ष की सजा के साथ 11 हजार रुपये जुमानी से दंडित किया।

सरधुआ पुलिस ने तीन जुआरियों को रंगेहाथ दबोचा

अखंड भारत संदेश

चित्रकृत। पुलिस अधीक्षक श्रीमती वृद्धा शुक्ला के निर्देश पर अपराधियों के खिलाफ जारी अभियान में प्रभारी निरीक्षक सरधुआ दंडित कुमार सिंह की अगुवाई में दरोगा राजेश कुमार राय की टीम ने तीन जुआरियों को जुआ खेलते रंगेहाथ दबोचा है।

सोमवार को सरधुआ पुलिस ने सुरेण निषाद पुत्र महादेव, अनिल निषाद पुत्र बैजनाथ व रामदुलारे उत्तर गणेश निवासी खोला को ताश के पत्तों से हार-जात की बाज लगाते जुआ खेलते रंगेहाथ गिरफतार किया है। मालीफँड से 1050 रुपये व ताश के 52 तथा जामालाली में 390 रुपये बरामद किये। आरोपियों का जुआ अधिकारियों में चालान किया। टीम में दरोगा राजेश कुमार राय, सिपाही नंदेंग कुशवाहा व ललित सोनी शामिल रहे।

दहेज हत्या में मृतकों के पति को हुई आठ साल की सजा, 16 हजार रुपये जुमानी, त्वरित न्यायालय ने सुनाया फैसला

अखंड भारत संदेश

चित्रकृत। दहेज हत्या मामले में त्वरित न्यायालय ने मृतकों के पति को आठ वर्ष की सजा सुनाई है। 16 हजार रुपये के जुमानी से भी दंडित किया है।

सोमवार को सहायक शासकीय अधिकारकों फौजदारी गोपाल दास ने बताया कि रामदास ने 22 जुलाई 2017 को बिलिपुरवा थाने में दज कराई रिपोर्ट में कहा था कि अपनी बहन गीता देवी की शादी रुकमार्खद के रज्जु पुत्र धुनुवा के साथ की थी। शादी के बाद से ही ससुरालीजन गीता का उत्पीड़न दहेज के लिए कराया था। दो बच्चे होने के बाद भी उत्पीड़न जारी रहा। 26 जून 2017 को ससुरालीजनों ने गीता को बहरही से पीटने के बाद शमला दर्ज किया। बरामद गाजे की अनुमतित अन्तर्राष्ट्रीय गीता कीमत 13 लाख रुपये आंकी गई है। टीम में थानाध्यक्ष रैपुरा शैलेन्द्र चन्द्र पाण्डेय, दरोगा रमेश सिंह यादव, दरोगा सिवनाथ राय, सिपाही अंजीत यादव, नन्दलाल, राज मंगल, महिला सिपाही आरती वर्मा, सिपाही राममूरत मिश्रा जामालाल के लिए लोटपोहा व ताश के लिए लोटपोहा दिवायपुर जायेगा।

सोमनाथ मंदिर की सड़क-रपटे की करायें मरम्मत



अखंड भारत संदेश

चित्रकृत। मानिकपुर-चित्रकृत। कस्बे के शिवनगर मोहल्ले के अधिलाप कुमार पुत्र रमेशवर प्रसाद ने झारी गांव स्थित जमीन का आरोप लगाया है।

सोमवार को मानिकपुर स्थाने के सहरहट के झारी गांव स्थित जमीन का मामला है। अधिलाप कुमार पुत्र रमेशवर प्रसाद ने बताया कि रामीपुर गांव के कुंजिवाली पुत्र राम लखन द्वारा कुमार सिपाही अधिकारियों ने इस मामले में अभी तक कोई कार्यवाही नहीं की। पीड़ित ने कहा कि उसकी जमीन से अवैध कब्जा करता है।

मानिकपुर में ग्रामीण की जमीन पर अवैध कब्जा

अखंड भारत संदेश

चित्रकृत। पुलिस अधीक्षक श्रीमती वृद्धा शुक्ला के निर्देश पर अवैध कब्जे का दाक्तनाम दिया गया। उसके बाद रमेशवर प्रसाद ने जमीन का आरोप लगाया है।

सोमवार को मानिकपुर स्थाने के कुंजिवाली पुत्र राम लखन द्वारा कुमार सिपाही अधिकारियों ने इस मामले में अभी तक कोई कार्यवाही नहीं की। पीड़ित ने कहा कि उसकी जमीन से अवैध कब्जा करता है।

एक को दबोच 30 पाउच शराब बरामद

अखंड भारत संदेश

चित्रकृत। पुलिस अधीक्षक श्रीमती वृद्धा शुक्ला के निर्देश पर अवैध कब्जे का दाक्तनाम दिया गया। उसके बाद रमेशवर प्रसाद ने जमीन का आरोप लगाया है।

सोमवार को मानिकपुर स्थाने के कुंजिवाली पुत्र राम लखन द्वारा कुमार सिपाही अधिकारियों ने इस मामले में अभी तक कोई कार्यवाही नहीं की। पीड़ित ने कहा कि उसकी जमीन से अवैध कब्जा करता है।

मऊ टीम ने जीता मैच

अखंड भारत संदेश

चित्रकृत। टीम ने अपने दबोच 30 पाउच शराब बरामद किया। उसके बाद रमेशवर प्रसाद ने जमीन का आरोप लगाया है।

सोमवार को मानिकपुर स्थाने के कुंजिवाली पुत्र राम लखन द्वारा कुमार सिपाही अधिकारियों ने इस मामले में अभी तक कोई कार्यवाही नहीं की। पीड़ित ने कहा कि उसकी जमीन से अवैध कब्जा करता है।

एक को दबोच 30 पाउच शराब बरामद

अखंड भारत संदेश

चित्रकृत। पुलिस अधीक्षक श्रीमती वृद्धा शुक्ला के निर्देश पर अवैध कब्जे का दाक्तनाम दिया गया। उसके बाद रमेशवर प्रसाद ने जमीन का आरोप लगाया है।

सोमवार को मानिकपुर स्थाने के कुंजिवाली पुत्र राम लखन द्वारा कुमार सिपाही अधिकारियों ने इस मामले में अभी तक कोई कार्यवाही नहीं की। पीड़ित ने कहा कि उसकी जमीन से अवैध कब्जा करता है।

एक को दबोच 30 पाउच शराब बरामद

अखंड भारत संदेश

चित्रकृत। पुलिस अधीक्षक श्रीमती वृद्धा शुक्ला के निर्देश पर अवैध कब्जे का दाक्तनाम दिया गया। उसके बाद रमेशवर प्रसाद ने जमीन का आरोप लगाया है।

सोमवार को मानिकपुर स्थाने के कुंजिवाली पुत्र राम लखन द्वारा कुमार सिपाही अधिकारियों ने इस मामले में अभी तक कोई कार्यवाही नहीं की। पीड़ित ने कहा कि उसकी जमीन से अवैध कब्जा करता है।

एक को दबोच 30 पाउच शराब बरामद

अखंड भारत संदेश

चित्रकृत। पुलिस अधीक्षक श्रीमती वृद्धा शुक्ला के निर्देश पर अवैध कब्जे का दाक्तनाम दिया गया। उसके बाद रमेशवर प्रसाद ने जमीन का आरोप लगाया है।

सोमवार को मानिकपुर स्थाने के कुंजिवाली पुत्र राम लखन द्वारा कुमार सिपाही अधिकारियों ने इस मामले में अभी तक कोई कार्यवाही नहीं की। पीड़ित ने कहा कि उसकी जमीन से अवैध कब्जा करता है।

एक को दबोच 30 पाउच शराब बरामद

अखंड भारत संदेश

चित्रकृत। पुलिस अधीक्षक श्रीमती वृद्धा शुक्ला के निर्देश पर अवैध कब्जे का दाक्तनाम दिया गया। उसके बाद रमेशवर प्रसाद ने जमीन का आरोप लगाया है।

सोमवार को मानिकपुर स्थाने के कुंजिवाली पुत्र र

विदेश संदेश

डोनाल्ड ट्रंप रिपब्लिकन राष्ट्रपति पद की बहस में शामिल नहीं होंगे

वाशिंगटन। पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप बुधवार को पद की बहस में हिस्सा नहीं लेंगे। उन्होंने याता किया है उन्हें लोगों की यह दिखाने की जरूरत नहीं है कि वह कितने सफल राष्ट्रपति थे, क्योंकि उन्हें पहले से ही जानते हैं। स्थानीय मीडिया रिपोर्टर्स के मुताबिक डोनाल्ड ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म द्वारा यह घोषणा की है। उन्होंने सर्वेक्षणों को नई लहर का उल्लेख किया है। इसमें उन्हें अन्य रिपब्लिकन से बहुत आगे दिखाया गया है। एक सर्वेक्षण में 62 प्रतिशत लोगों ने उन्हें पंसद किया है। ट्रंप ने लिखा है-जनता जानती है कि मैं कोन हूँ। मेरा राष्ट्रपति पद कितना सफल रहा।



ब्राजील में बस दुर्घटना में सात फुटबॉल प्रशंसकों की मौत, दर्जनों गंभीर घायलों को अस्पताल पहुंचाया

ब्राजील। ब्राजील में एक पहाड़ी सड़क पर फुटबॉल प्रशंसकों को ले जा रही बस के चालक का नियंत्रण खो गया और भयानक सड़क दुर्घटना हो गई। इस घटना में सात लोगों की मौत हो गई और 27 अन्य को अस्पताल में गंभीर कारण गया है। अग्रिमशमन अधिकारियों ने कहा कि इनी जानकारी दी और कहा कि यह दुर्घटना मिनस गैरेस राज्य में बेलो होरिझोंटे के पास एक राजमार्ग पर हुई। एक रिपोर्ट के मुताबिक, यात्रियों ने कहा कि नियंत्रण खोने से कुछ समय पहले ड्राइवर ने चिल्ड्रकर कहा कि बस ब्रेक काम नहीं कर रहे हैं। साओ ठोउओ के कोरिपियस फुटबॉल क्लब के 40 से प्रतिशत बस में सवार थे, जो एक रात पहले बेलो होरिझोंटे में एक मैदान से लौट रहे थे। अग्रिमशमन अधिकारी फॉइस ने हातहों की संख्या की सुनन दी, लेकिन यह नहीं बताया कि अस्पताल में गंभीर लोग किस रिश्ति में थे।



दक्षिण अफ्रीका ने ब्रिक्स की सदस्यता के विस्तार का किया समर्थन, राष्ट्रपति रामाफोसा ने की पुष्टि

जोहान्सबर्ग। राष्ट्रपति सिरिल रामाफोसा ने राष्ट्र का नाम एक राष्ट्रीय संबोधन दिया, जिसमें उन्होंने पुष्टि की कि दक्षिण अफ्रीका ने ब्रिक्स की सदस्यता के विस्तार का समर्थन करता है। आगे कहा कि ब्रिक्स का मूल्य उसके वित्तीय सदस्यों के हितों से पेरे है। अपने प्रयासों को और अधिक प्रभावी करने के लिए दो अन्य देशों के साथ साझेदारी की जरूरत है जो उसकी आकांक्षाओं और दृष्टिकोणों को साझा करते हैं। ब्रिक्स का सदस्य बनने के लिए 22 देशों के आवेदन का यह मुद्दा पांच ब्रिक्स देशों के नेताओं के एजेंडे में है, जो ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के 15वें संस्करण के लिए इस हफ्ते बुधवार को जोहान्सबर्ग में मिलेंगे। ब्रिक्स ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका का एक सम्म है।

विस्तार का विवरण राजनीतिक प्रणालियों वाले देशों के एक विविध समूह का प्रतिनिधित्व करते हैं। रामाफोसा ने कहा कि वह शिखर सम्मेलन में अफ्रीका, कैरि�बियन, दक्षिण अमेरिका, मध्य पूर्व, पश्चिम एशिया, दक्षिण एशिया और दक्षिण-पूर्वी एशिया के कई अन्य नेताओं की भागीदारी का सम्बन्ध करते हैं। इसमें उन्होंने पुष्टि की कि यह ब्रिक्स शिखर सम्मेलन रूप से महत्वपूर्ण है क्योंकि यह तब आयोजित किया जा रहा है जब दैनंदी मूलभूत चुनौतियों का समाप्त कर रही है जो आगे वाले वर्षों में अंतर्राष्ट्रीय घटनाओं की दिशा निर्धारित करने के लिए बाध्य है।

‘सत्ता में आए तो लगाएंगे टैक्स’: ट्रंप की भारत को धमकी, यूएस में राष्ट्रपति पद के उम्मीदवारी पेश करते ही कहा ये

वाशिंगटन। पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर कुछ अमेरिकी उत्पादों पर भारत उत्तर कर (टैक्स) का मूद्दा उठाया है। उन्होंने अगले साल सत्ता में वापस आने पर भारत को कर लगाने की धमकी दी है। गैरलेब है, अमेरिका के राष्ट्रपति के रूप में अपने पहले कार्यकाल के दौरान ट्रंप ने भारत को टैक्स किंग बताया था। साल 2019 की मई में भारत की सामानीकृत प्रणाली प्राप्ति (जीएसपी) को यह कहने हैं समाप्त कर दिया गया था।

अखंड भारत संदेश

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक स्वामी श्री योगी सत्यम् फॉर्म गोग सत्संग समिति द्वारा विप्रिण इण्टरप्राइजेज 1/6C मध्यवर्ती ऊंच कटरा प्रयागराज से मुद्रित एवं क्रियायोग आश्रम एण्ड अनुसंधान संस्थान झूँझी, प्रयागराज उत्तर प्रदेश से प्रकाशित।

सम्पादक

स्वामी श्री योगी सत्यम् RNI No: UPHIN/2001/09025 ऑफिस नं.: 9565333000 Email:- akhandbhartsandesh@gmail.com सभी विवादों का व्याय बोत्र प्रयागराज होगा।



और 200 प्रतिशत टैरिफ है। वह बिना किसी टैरिफ के बेचे। उन्होंने कहा जैसा मैंने कहा, और पिछे आपके पास कोई टैरिफ नहीं है। ट्रंप ने कहा कि उक्ता कहना था कि यह बहुत नहीं है। यह बहरा सौदा नहीं है।